reported in the Indian Express of November 12, 1995;

(b) if so, what are the facts in this regard;

(c) what is the number and details of such cases which came to Government's notice during each of the last three years and so far in 1995; and

(d) what steps Government have so far taken to check this misuse and abuse of protocal system?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V. CHANDRASHEKHAR MURTHY): (a) to (d) Government have not noticed extensive abuse or revenue loss while extending protocol to VIPs. However, a few cases have come to Governments notice. Full details in respect thereof are being collected and will be laid on the Table of the House.

डॉलर की विनिमय-दर

152. **प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:**
श्री वी० नारायणसामी:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस समय रुपए के मुकाबले डालर की विनिमय-दर कितनी है;

(ख) 1 जुलाई, 1991, 1992, 1993, 1994 व 1995 को रुपए के मुकाबले डालर की विनिमय दर कितनी थी;

(ग) डालर के मुकाबले रुपए की विनिमय-दर में इस गिरावट से हमारे विदेशी कर्ज में रुपए की गणना में कितना अन्तर पड़ा है; और

(घ) डालर के मुकाबले रुपए की विनिमय-दर स्थिर रखने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० देबी प्रसाद पाल): (क) और (ख) दिनांक 22 नवम्बर, 1995 को अमरीकी डालर की तुलना में रुपए की भारतीय विदेशी मुद्रा डीलर संघ (एफ०ई०डी०ए०आई०) की सूचक विनिमय दर प्रति अमरीकी डालर 34.845 रुपए थी। पहली जुलाई, 1991, 1992, 1993, 1994 और 1995 को रुपया-डालर दर निम्नानुसार थी:—

दिनांक	रुपया / अमरीकी डालर*
पहली जुलाई, 1991	23.1215
पहली जुलाई, 1992	30.3214
2 जुलाई, 1993**	31.3676
पहली जुलाई, 1994	31.3700
3 जुलाई, 1995**	31.3925

* वर्ष 1992 से 1995 तक के लिए दर्शायी गई दरें एफ०ई०डी०ए०आई० की सूचक दरें हैं।

** इन वर्षों की पहली जुलाई को कोई दर नहीं बताई गई थी क्योंकि विदेशी मुद्रा बाजार इन दिनों को बंद हो गया था।

(ग) भारत का विदेशी ऋण अमरीकी डालर सहित कई मुद्राओं में मूल्यवर्गित होता है। जबकि उपरोक्तानुसार रुपया-डालर दर में घटबढ़ के प्रभाव स्वरूप रुपए के रूप में अमरीकी डालर में मूल्यवर्गित ऋण का स्तर बढ़ेगा अन्य मुद्राओं में मूल्यवर्गित ऋण पर प्रभाव इन मुद्राओं के एवज़ में रुपए की विनिमय दर में घटबढ़ पर निर्भर करेगा। उपरोक्त प्रत्येक तारीख को भारत के कुल विदेशी ऋण पर विनिमय दर में घटबढ़ कर प्रभाव भी अन्तरालों के दौरान इन प्रत्येक मुद्राओं में उधारों/ऋणों के निवल अन्तर्प्रवाह अथवा बर्हिप्रवाह (अर्थात् वापसी-अदायगियां घटाकर) द्वारा निर्देशित होगा।

(घ) भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपए के सुधार के लिए सहायता देकर रुपए पर अत्यधिक दबाव को कम करने लिए बाजार में हस्तक्षेप किया। भारतीय रिजर्व बैंक ने मांग घटाने के साथ-साथ विदेशी मुद्रा की आपूर्ति बढ़ाने के लिए भी कई उपाय किए हैं। इनमें (i) अनिवासी रुपया सावधि जमा पर ब्याज दरों में वृद्धि,: (ii) 27.10.95 को मौजूद स्तर पर एन०आर०ई० और एन०आर०एन०आर० जमाओं में वृद्धि के संबंध में नकद प्रारक्षित अनुपात आवश्यकताओं में छूट,: (iii) 90 दिनों से अधिक और 6 महीने तक की परिपक्वता के लिए अमरीकी डालर में मूल्यवर्गित नौभरण पश्चनिर्यात ऋणों पर ब्याज दरों में वृद्धि,: और (iv) आयात वित्तपोषण पर ब्याज दर अधिभार शामिल हैं।